

बलकूप के लिए विशुद्ध शवित प्राप्ति हेतु आवेदन पत्र

संजा गं.

गणिकारी अधिकारी,
विशुद्ध वितरण खण्ड (पर्यान)
शहरजहाँपुर



1. भारी का जारा एवं जिता का जाग ये पूरा था। **चुनूफ़ ५% जबाब उली**
खास - फिलावस्पुर एलाकुए राष्ट्रगण ऐतिहासिक दृष्टि
2. विद्यार्थी की शक्ति जारा खेल के लिए आवेदन पत्र दिया जा रहा है।
3. जाग एवं ज्ञान का जाग जारी करने का लक्ष्य नामिने **भावल बैड़।**
4. भारी का एकाइ ने यह होट लियाकी जलवाया से रिकार्ड दी जाएगी, जमीन के दूरदूर का विदरण जिसका नाम दार्शन दिया जाए या पूरा दिया जाके अवाहन जमीद की खरीदी एवं घरास राथ में वर्ती दिया जाए। **१०५ एकड़**
अक्षर लेखन: १२
5. यह उस शेष की सिंचाई द्वारा राधन, यहके गुरुये रो की जा सकती है। **नहीं**
6. अब तक उस शेष की रिंग हाई लिया राधन से की जाती थी और उस उसे जाने वाले नहीं की जा सकती। **५**
7. यह यह क्षेत्र पूर्णतः या इसी राजधीय भस्त्राय या भवर द्वारा रीपे जाने याते शेष के उत्तरांत आता है या नहीं। **नहीं**
8. यह बलकूप की धोरिंग छुदाई की जा पुकी है। **५**
9. यह नोटर तथा पन्थ तजा दिया है। **५**
10. (a) रियल अस्या दिग्गजामीन राजधीय दलवाय से राजमन दूरी
(b) एकी चढ़ी अध्या ग्रांग दूरी **१ कि.मी.**
11. बलकूप के राजमन से विज्ञान के खन्दांगों की विज्ञान दूरी तथा उस दूरी की रियल **१०० मीटर**.
12. खास का बारा, चलवीं ते रेतनर की लम्बाई, योरोग छुदाई की गहराई की तह पाठी पूर्वजे की रातह **२०० फीट**
13. बाबा बाप अनुरुद्धिन जाति से राज्यप्रियत है अध्या वही २ बाटे हां तो अध्य प्रमाण पत्र रोताज्जन है।
गो प्रमाणित करता है, कि उपरोक्त दिया गया विवरण राज्य है अधिग प्रमाणित २५/- रुपये सं० रसीद

लाखी का दर्शकार

५२५८

पुरावाला दिया जाता है कि उपरोक्त उपरोक्त का उत्तरांत व्यापार वंश
के विवाह के दिनों की वर्ती ने राज्य अक्षरांगा दिया राज्य है।

दिव्यवास का दर्शक गणिकारी

१००१ १२३४